प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण 'व्यावसायिक मशरूम उत्पादन' का सफल आयोजन

पन्तनगर। 23 जनवरी 2024। संस्थान द्वारा 'व्यावसायिक मशरूम उत्पादन' विषयक प्रशिक्षण का आयोजन 17–20 जनवरी 2024 तक किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर कार्यवाहक निदेशक प्रसार शिक्षा डा. आर.के. शर्मा ने प्रतिभागियों से कहा कि मशरूम उत्पादन किसानों की आजीविका का सशक्त माध्यम हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखें गये तकनीक को अपने तक ही न रखकर आस–पास के कृषकों का भी ज्ञानवर्धन करें, जिससे अधिक से अधिक कृषक इस विधा से लाभान्वित हो सके। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने कृषकों से आह्वान किया कि मशरूम उत्पादन तकनीक अपनाकर कृषक कम समय में अपनी आय में दो से चार गुना बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। इस तकनीक में बहुत बड़े क्षेत्रफल की आवश्यकता नहीं होती है एवं कृषक इसको छोटे–छोटे कमरों में भी कम उत्पादन लागत से सम्पादित कर सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्र में निरन्तर बढ़ते बन्दरों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए यह तकनीक कृषकों हेतु वरदान हो सकती है। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं समेटी समन्वयक ने समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मशरूम की प्रमुख प्रजातियां तथा उत्पादन की स्थिति, मशरूम गृह का आकार–प्रकार एवं वायु संचार व्यवस्था, ढीगरी एवं दूधिया मशरूम की वैज्ञानिक खेती, माध्यम की तैयारी एवं रख–रखाव, मशरूम कल्चर, मास्टर स्पान एवं व्यावसायिक स्पान, शुद्ध एवं संक्रमित स्पान की पहचान तथा स्पान क्रय एवं परिवहन में सावधानियाँ, खाद्य, अखाद्य तथा औषधीय मशरूम की पहचान एवं गुणवत्ता, बटन मशरूम के कम्पोस्ट एवं आवरण मृदा बनाने की विधियां एवं उपयोग, कम्पोस्ट एवं आवरण मृदा बनाना, ढिंगरी एवं दूधिया मशरूम का माध्यम तैयार करना, बीजाई एवं बैग तैयार करना, बटन मशरूम बीजाई एवं फसल उत्पादन प्रबन्धन, मशरूम में लगने वाले प्रमुख कीट, निमेटोड एवं रोगों की पहचान व रोकथाम, ऋषि मशरूम की खेती की विधि, मशरूम उत्पादन का आर्थिक विश्लेषण एवं विपणन व्यवस्था, मशरूम की चुनाई उपरान्त प्रौद्य ौगिकी/मूल्यवर्धन, मानक, पैकिंग, भण्डारण एवं मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती इत्यादि के बारे में बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त निदेशक डा. एस.के. मिश्रा अन्य वैज्ञानिक एवं पादप रोग विभाग के वैज्ञानिकों ने व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रदर्शन सम्पन्न करवाये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–ऊधम सिंह नगर, नैनीताल, टिहरी गढ़वाल, अल्मोड़ा, हरिद्वार एवं बागेश्वर के कुल 25 कृषकों द्वारा भाग लिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पादन में कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल–द्वितीय एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम उत्पादन की जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार